अध्याय 3: फूल और काँटा

विषय-सूची

8 प्रश्नावली · 16 प्रश्न

प्रश्नावली 3.1	मेरी समझ से (बहुविकल्पीय प्रश्न)	4 प्रश्न
प्रश्नावली 3.2	पंक्तियों पर चर्चा	2 प्रश्न
प्रश्नावली 3.3	मिलकर करें मिलान (प्रतीक)	1 प्रश्न
प्रश्नावली 3.4	सोच-विचार के लिए	4 प्रश्न
प्रश्नावली 3.5	बड़प्पन — शब्द-वर्गीकरण	1 प्रश्न
प्रश्नावली 3.6	कविता की रचना — विशेषताओं का मिलान	1 प्रश्न
प्रश्नावली 3.7	कविता का सौंदर्य — शब्द-चयन	1 प्रश्न
प्रश्नावली 3.8	विशेषण और विशेष्य	2 प्रश्न

प्रश्नावली 3.1 — मेरी समझ से (बहुविकल्पीय प्रश्न)

प्रश्न 1

कविता के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उनके सामने तारा (★) बनाइए। (1) कविता में काँटे के बारे में कौन-सा वाक्य सत्य है? • काँटा अपने आस-पास की सुगंध को नष्ट करता है। • काँटा तितलियों और भौंरों को आकर्षित करता है। • काँटा उँगलियों को छेदता है और वस्त्र फाड़ देता है। • काँटा पौधे को हानि पहुँचाता है।

हल

कविता की पंक्तियाँ — 'छेद कर काँटा किसी की उँगलियाँ, फाड़ देता है किसी का वर बसन' — स्पष्ट रूप से बताती हैं कि काँटा उँगलियों को छेदता है और वस्त्र (बसन) फाड़ देता है।
पहला विकल्प असत्य है — काँटा सुगंध नष्ट नहीं करता; सुगंध फूल देता है।
दूसरा विकल्प असत्य है — तितलियाँ और भौंरे फूल की ओर आकृष्ट होते हैं, काँटे की ओर नहीं।
चौथा विकल्प असत्य है — कविता में काँटे का पौधे को हानि पहुँचाने का उल्लेख नहीं है।

उत्तर: ★ काँटा उँगलियों को छेदता है और वस्त्र फाड़ देता है।

प्रश्न 2

(2) कविता में फूल और काँटे में समानताओं और विभिन्नताओं का उल्लेख किया गया है। निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य इन्हें सही रूप में व्यक्त करता है? • फूल सुंदरता का प्रतीक है और काँटा कठोरता का। • फूल और काँटे के बारे में लोगों के विचार समान होते हैं। • फूल और काँटे एक ही पौधे पर उगते हैं, लेकिन उनके स्वभाव भिन्न होते हैं। • फूल और काँटे को समान देखभाल मिलती है फिर भी उनके रंग-ढंग अलग होते हैं।

हल

कविता के अनुसार फूल और काँटे दोनों एक ही पौधे पर उगते हैं और उन्हें एक ही वर्षा, चाँदनी, हवा मिलती है — यह समानता है।
किंतु उनके व्यवहार/स्वभाव में अंतर है — काँटा चुभता-फाड़ता है, जबकि फूल सुगंध और आनंद देता है।
इसलिए तीसरा और चौथा दोनों विकल्प आंशिक रूप से सही हैं, परंतु तीसरा (एक ही पौधे पर उगते हैं, स्वभाव भिन्न) और चौथा (समान देखभाल फिर भी अलग रंग-ढंग) — दोनों सही रूप में समानता + विभिन्नता व्यक्त करते हैं।
पुस्तक के संदर्भ में तीसरा विकल्प (एक ही पौधे पर उगना + स्वभाव की भिन्नता) सर्वाधिक सटीक है।

उत्तर: ★ फूल और काँटे एक ही पौधे पर उगते हैं, लेकिन उनके स्वभाव भिन्न होते हैं। (साथ ही: फूल और काँटे को समान देखभाल मिलती है फिर भी उनके रंग-ढंग अलग होते हैं — यह भी सही है।)

प्रश्न 3

(3) कविता के आधार पर कौन-सा निष्कर्ष उपयुक्त है? • व्यक्ति का कुल ही उसके सम्मान का आधार होता है। • व्यक्ति के कार्यों के कारण ही लोग उसका सम्मान करते हैं। • कुल की प्रतिष्ठा हमेशा व्यक्ति के गुणों से बड़ी होती है। • यदि व्यक्ति अच्छे कार्य करता है तो उसके कुल को प्रसिद्धि मिलती है।

हल

कविता की अंतिम पंक्तियाँ हैं — 'किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।'
कवि का कहना है कि यदि व्यक्ति में स्वयं बड़प्पन (अच्छे गुण, अच्छे कार्य) न हो तो कुल की बड़ाई व्यर्थ है।
अर्थात् व्यक्ति के कार्यों और गुणों के कारण ही उसे सम्मान मिलता है, केवल कुल से नहीं।

उत्तर: ★ व्यक्ति के कार्यों के कारण ही लोग उसका सम्मान करते हैं।

प्रश्न 4

(4) कविता के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'बड़प्पन' के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है? • धन-दौलत और ताकत से व्यक्ति के बड़प्पन का पता चलता है। • कुल के बड़प्पन की प्रशंसा व्यक्ति की कमियों को ढक देती है। • बड़प्पन व्यक्ति के गुणों, स्वभाव और कर्म से पहचाना जाता है। • कुल का नाम व्यक्ति में बड़प्पन की पहचान का मुख्य आधार है।

हल

कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ने फूल और काँटे के माध्यम से बताया है कि सम्मान का आधार कार्य और स्वभाव हैं, न धन या कुल।
फूल अपने गुणों (सुगंध, सौंदर्य, परोपकार) के कारण सुर के शीश पर सोहता है और काँटा अपने दुर्व्यवहार के कारण आँख में खटकता है।
'जो किसी में हो बड़प्पन की कसर' — इस पंक्ति से स्पष्ट है कि बड़प्पन व्यक्ति के गुणों और कर्मों में होता है।

उत्तर: ★ बड़प्पन व्यक्ति के गुणों, स्वभाव और कर्म से पहचाना जाता है।

प्रश्नावली 3.2 — पंक्तियों पर चर्चा

प्रश्न 1

निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ अपने विचार में लिखिए — (क) "मेह उन पर है बरसता एक सा, एक सी उन पर हवायें हैं बही। पर सदा ही यह दिखाता है हमें, ढंग उनके एक से होते नहीं।"

हल

इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि फूल और काँटे पर एक-सी वर्षा होती है, एक-सी हवा बहती है — अर्थात् प्रकृति दोनों के साथ समान व्यवहार करती है।

फिर भी उनके 'ढंग' यानी स्वभाव और व्यवहार एक जैसे नहीं होते।

भाव यह है कि एक ही वातावरण और परिस्थितियों में पलने-बढ़ने के बावजूद हर व्यक्ति का स्वभाव अलग होता है — परिस्थितियाँ नहीं, व्यक्ति के अपने चुनाव उसे फूल या काँटा बनाते हैं।

उत्तर: एक समान परिस्थितियों (वर्षा, हवा) में रहने पर भी फूल और काँटे के स्वभाव अलग-अलग होते हैं — यह पंक्तियाँ बताती हैं कि परिस्थिति नहीं, स्वभाव और कर्म व्यक्ति को परिभाषित करते हैं।

प्रश्न 2

(ख) "किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।"

हल

इस पंक्ति में कवि प्रश्न के रूप में एक महत्त्वपूर्ण विचार रखते हैं।

'कुल की बड़ाई' का अर्थ है — परिवार/वंश की प्रतिष्ठा या यश।

'बड़प्पन की कसर' का अर्थ है — व्यक्ति में खुद महानता/अच्छे गुणों की कमी।

कवि कहते हैं — यदि स्वयं व्यक्ति में बड़प्पन न हो तो उसके कुल की प्रतिष्ठा किस काम आएगी? यानी ऊँचे कुल का कोई लाभ नहीं यदि व्यक्ति स्वयं गुणहीन हो।

उदाहरण: एक काँटा चाहे कितने भी सुंदर फूलों वाले पौधे पर हो, वह चुभता ही रहेगा — उसका स्वभाव नहीं बदलता।

उत्तर: यदि स्वयं व्यक्ति में बड़प्पन (सद्गुण) की कमी हो तो केवल उच्च कुल का होना किसी काम का नहीं — व्यक्ति की पहचान उसके अपने गुणों और कर्मों से होती है।

प्रश्नावली 3.3 — मिलकर करें मिलान (प्रतीक)

प्रश्न 1

इस कविता में 'फूल' और 'काँटा' के उदाहरण द्वारा लोगों के स्वभावों के अंतर और समानताओं की ओर संकेत किया गया है। 'फूल' और 'काँटा' प्रतीक के रूप में प्रयोग किए गए हैं। अपने साथियों के साथ मिलकर चर्चा कीजिए कि फूल और काँटा किस-किस के प्रतीक हो सकते हैं और इन्हें उपयुक्त प्रतीकों से जोड़िए — दिए गए शब्द: दया, स्वार्थ, अच्छाई, सुख, सुंदरता, कोमलता, आनंद, परोपकार, प्रेम, बुराई, दुख, कठोरता, प्रसन्नता, पीड़ा

हल

फूल के प्रतीक: दया, अच्छाई, सुख, सुंदरता, कोमलता, आनंद, परोपकार, प्रेम, प्रसन्नता।
काँटा के प्रतीक: स्वार्थ, बुराई, दुख, कठोरता, पीड़ा।
फूल सकारात्मक भावनाओं — दया, प्रेम, परोपकार, आनंद, सुंदरता, कोमलता — का प्रतीक है क्योंकि वह सुगंध और खुशी देता है।
काँटा नकारात्मक भावनाओं — स्वार्थ, बुराई, कठोरता, पीड़ा, दुख — का प्रतीक है क्योंकि वह चुभता और कष्ट देता है।

उत्तर: फूल → दया, अच्छाई, सुख, सुंदरता, कोमलता, आनंद, परोपकार, प्रेम, प्रसन्नता। काँटा → स्वार्थ, बुराई, दुख, कठोरता, पीड़ा।

प्रश्नावली 3.4 — सोच-विचार के लिए

प्रश्न 1

(क) कविता में ऐसी कौन-कौन सी समानताओं का उल्लेख किया गया है जो सभी पौधों पर समान रूप से लागू होती हैं?

हल

कविता में निम्नलिखित समानताओं का उल्लेख है जो फूल और काँटे — दोनों पर समान रूप से लागू होती हैं:

1. एक ही स्थान पर जन्म लेते हैं — 'हैं जनम लेते जगह में एक ही।'
2. एक ही पौधा उन्हें पालता है — 'एक ही पौधा उन्हें है पालता।'
3. एक ही चाँदनी पड़ती है — 'रात में उन पर चमकता चाँद भी, एक ही सी चाँदनी है डालता।'
4. एक-सी वर्षा होती है — 'मेह उन पर है बरसता एक सा।'
5. एक-सी हवा बहती है — 'एक सी उन पर हवायें हैं बही।'

उत्तर: जन्मस्थान (एक ही पौधे पर), पालनहार (एक पौधा), चाँदनी (एक-सी), वर्षा (एक-सी), और हवा (एक-सी) — ये पाँच समानताएँ कविता में उल्लिखित हैं जो फूल और काँटे दोनों पर समान रूप से लागू होती हैं।

प्रश्न 2

(ख) आपको फूल और काँटे के स्वभाव में मुख्य रूप से कौन-सा अंतर दिखाई दिया?

हल

फूल का स्वभाव परोपकारी और प्रेमपूर्ण है:
— वह तितलियों को गोद में लेकर उन्हें अपना रस पिलाता है।
— अपनी सुगंधों और रंगों से कलियों को खिलाता है।
— सभी के आनंद का कारण बनता है — 'सोहता सुर शीश पर।'
काँटे का स्वभाव कठोर और हानिकारक है:
— वह उँगलियाँ छेदता है और वस्त्र फाड़ देता है।
— प्यार-डूबी तितलियों के पर काटता है और भौंरे का तन बेध देता है।
— सब की आँखों में खटकता है।
मुख्य अंतर: फूल देता है (सुगंध, सुख, रस) और काँटा चुभता है (पीड़ा, हानि)।

उत्तर: फूल का स्वभाव परोपकारी है — वह सुगंध, रस और आनंद देता है; काँटे का स्वभाव कठोर और हानिकारक है — वह चुभता है और कष्ट देता है। यही मुख्य अंतर है।

प्रश्न 3

(ग) कविता में मुख्य रूप से कौन-सी बात कही गई है? उसे पहचानिए, समझिए और अपने शब्दों में लिखिए।

हल

कविता 'फूल और काँटा' के माध्यम से कवि 'हरिऔध' यह संदेश देते हैं कि समान परिस्थितियों में पलने-बढ़ने के बावजूद व्यक्ति के स्वभाव और कर्म उसे अलग बनाते हैं।

फूल और काँटा दोनों एक ही पौधे पर उगते हैं, दोनों को एक-सी प्रकृति (वर्षा, चाँदनी, हवा) मिलती है — फिर भी फूल सबका प्रिय है और काँटा सबको खटकता है।

मुख्य बात: व्यक्ति की पहचान उसके कुल या जन्मस्थान से नहीं, बल्कि उसके गुणों और कर्मों से होती है। जो व्यक्ति दूसरों को सुख देता है वह सम्मान पाता है; जो दूसरों को कष्ट देता है वह आँखों में खटकता है।

उत्तर: कविता की मुख्य बात है — व्यक्ति की पहचान उसके जन्म या कुल से नहीं, बल्कि उसके गुणों और कर्मों से होती है। परोपकारी और सद्गुणी व्यक्ति (फूल) सम्मानित होता है, जबकि कठोर और स्वार्थी व्यक्ति (काँटा) सबको खटकता है।

प्रश्न 4

(घ) "है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर।" लोग कैसे स्वभाव के व्यक्तियों की प्रशंसा करते हैं और कैसे स्वभाव वाले व्यक्तियों से दूर रहना पसंद करते हैं?

हल

'सोहता सुर शीश पर' — देवताओं के सिर पर सजने वाला — फूल के गुणों वाले व्यक्ति की प्रशंसा होती है।

लोग उन व्यक्तियों की प्रशंसा करते हैं जो:

— दूसरों की मदद करते हैं (परोपकार), जैसे फूल तितलियों को रस पिलाता है।

— अपनी वाणी और व्यवहार से दूसरों को प्रसन्नता देते हैं, जैसे फूल सुगंध देता है।

— विनम्र और कोमल स्वभाव के होते हैं।

लोग उन व्यक्तियों से दूर रहते हैं जो:

— दूसरों को कष्ट देते हैं, जैसे काँटा उँगलियाँ छेदता है।

— झगड़ालू, क्रूर और स्वार्थी होते हैं।

— अपने व्यवहार से दूसरों के जीवन को कठिन बनाते हैं।

उत्तर: परोपकारी, विनम्र और दूसरों को सुख देने वाले व्यक्तियों (फूल-स्वभाव) की प्रशंसा होती है और वे सम्मानित होते हैं। कठोर, स्वार्थी और दूसरों को कष्ट देने वाले व्यक्तियों (काँटा-स्वभाव) से लोग दूर रहते हैं।

प्रश्नावली 3.5 — बड़प्पन — शब्द-वर्गीकरण

प्रश्न 1

नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं जो किसी भाव को व्यक्त करते हैं। इनमें से जो शब्द 'बड़प्पन' के भाव व्यक्त करते हैं, उन पर एक गोला बनाइए; जो बड़प्पन का भाव व्यक्त नहीं करते हैं, उनके नीचे रेखा खींचिए। शब्द सूची: सहनशीलता, दया, अहंकार, विश्वास, घमंड, ईर्ष्या, द्वेष, संतोष, सद्भावना, लालच, प्रतिशोध, समर्पण, स्वार्थ, झगड़ालूपन, क्रूरता, आदर, अपमान, उदारता, सम्मान, अविश्वास, विनम्रता, निष्ठा, झूठ, त्याग, परोपकार, अधीरता

हल

बड़प्पन के भाव व्यक्त करने वाले शब्द (गोला): सहनशीलता, दया, विश्वास, संतोष, सद्भावना, समर्पण, आदर, उदारता, सम्मान, विनम्रता, निष्ठा, त्याग, परोपकार।

बड़प्पन का भाव व्यक्त नहीं करने वाले शब्द (रेखा): अहंकार, घमंड, ईर्ष्या, द्वेष, लालच, प्रतिशोध, स्वार्थ, झगड़ालूपन, क्रूरता, अपमान, अविश्वास, झूठ, अधीरता।

बड़प्पन = बड़ाई, श्रेष्ठ होने का भाव, महत्त्व, गौरव — जो व्यक्तित्व, गुण और चरित्र की ऊँचाई को दर्शाता है।

उत्तर: बड़प्पन वाले: सहनशीलता, दया, विश्वास, संतोष, सद्भावना, समर्पण, आदर, उदारता, सम्मान, विनम्रता, निष्ठा, त्याग, परोपकार। बड़प्पन-विरोधी: अहंकार, घमंड, ईर्ष्या, द्वेष, लालच, प्रतिशोध, स्वार्थ, झगड़ालूपन, क्रूरता, अपमान, अविश्वास, झूठ, अधीरता।

प्रश्नावली 3.6 — कविता की रचना — विशेषताओं का मिलान

प्रश्न 1

नीचे इस कविता की कुछ विशेषताएँ और वे पंक्तियाँ दी गई हैं जिनमें ये विशेषताएँ झलकती हैं। विशेषताओं का सही पंक्तियों से मिलान कीजिए। कविता की विशेषताएँ: 1. एक ही वर्ण से शुरू होने वाले दो शब्द एक ही पंक्ति में साथ-साथ आए हैं। 2. मुहावरे का प्रयोग किया गया है। 3. प्रश्न पूछा गया है। 4. प्राकृतिक वस्तुओं, जैसे— पेड़-पौधों में मानवीय कार्यों और भावनाओं का वर्णन किया गया है। 5. एक-दूसरे के विपरीत अर्थ वाले शब्दों का प्रयोग किया गया है। कविता की पंक्तियाँ: 1. किस तरह कुल की बड़ाई काम दे 2. भौंर को अपना अनूठा रस पिला 3. फाड़ देता है किसी का वर बसन 4. है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर 5. है सदा देता कली का जी खिला 6. फूल लेकर तितलियों को गोद में

हल

विशेषता 1 (अनुप्रास — एक ही वर्ण से शुरू होने वाले दो शब्द एक ही पंक्ति में) → पंक्ति 3: 'फाड़ देता है किसी का वर बसन' — यहाँ 'व' वर्ण से 'वर' और 'बसन' शुरू नहीं होते, किंतु इस पंक्ति में 'व' वर्ण की पुनरावृत्ति है ('वर बसन' में 'व' की ध्वनि)। वास्तव में अनुप्रास का सबसे स्पष्ट उदाहरण इसी पंक्ति में है।

विशेषता 2 (मुहावरे का प्रयोग — आँख में खटकना) → पंक्ति 4: 'है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर' — 'आँख में खटकना' एक प्रसिद्ध मुहावरा है जिसका अर्थ है अप्रिय लगना।

विशेषता 3 (प्रश्न पूछा गया है) → पंक्ति 1: 'किस तरह कुल की बड़ाई काम दे' — यह एक प्रश्न-शैली में कहा गया कथन है।

विशेषता 4 (मानवीकरण — पेड़-पौधों में मानवीय भावनाएँ) → पंक्तियाँ 5 और 6: 'है सदा देता कली का जी खिला' और 'फूल लेकर तितलियों को गोद में' — यहाँ फूल का 'जी खिलाना' और 'गोद में लेना' मानवीय भावनाएँ हैं।

विशेषता 5 (विपरीतार्थी शब्द — खटकना और सोहना परस्पर विपरीत) → पंक्ति 4: 'है खटकता एक सब की आँख में, दूसरा है सोहता सुर शीश पर' — 'खटकना' (अप्रिय) और 'सोहना' (सुशोभित होना/प्रिय) विपरीतार्थी हैं।

उत्तर: विशेषता 1 (अनुप्रास) → पंक्ति 3 (फाड़ देता है किसी का वर बसन — व-ब ध्वनि)। विशेषता 2 (मुहावरा — आँख में खटकना) → पंक्ति 4। विशेषता 3 (प्रश्न) → पंक्ति 1। विशेषता 4 (मानवीकरण) → पंक्तियाँ 5 और 6। विशेषता 5 (विपरीतार्थी — खटकना↔सोहना) → पंक्ति 4।

प्रश्नावली 3.7 — कविता का सौंदर्य — शब्द-चयन

प्रश्न 1

आगे कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। इनमें कुछ शब्द हटा दिए गए हैं और साथ में मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्द भी दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक शब्द से वह पंक्ति पूरी करके देखिए और जो शब्द उस पंक्ति में जँच रहे हैं, उन पर घेरा बनाइए। 1. हैं जनम लेते जगह में एक ही, एक ही पौधा उन्हें है पालता। ____ में उन पर चमकता ____ भी, (रात, रात्रि, रजनी, निशा) (शशि, चंद्रमा, चाँद, राकेश, इंदु) एक ही सी चाँदनी है डालता। 2. _____ उन पर है बरसता एक सा, (मेह, बादल, मेघ, जलद) एक सी उन पर _____ हैं बही। (वायु, पवन, समीर, मारुत, बयारें, हवायें)

हल

पंक्ति 1 में रिक्त स्थान: '____ में उन पर चमकता ____ भी'

मूल कविता में: 'रात में उन पर चमकता चाँद भी' — इसलिए 'रात' और 'चाँद' मूल शब्द हैं।

'रात' के विकल्पों में: रात (मूल), रात्रि (संस्कृत), रजनी (काव्यात्मक), निशा (काव्यात्मक) — सभी छंद में बैठते हैं किंतु 'रात' सबसे सरल और प्रवाहमान है।

'चाँद' के विकल्पों में: चाँद (मूल, सरल), शशि/चंद्रमा/राकेश/इंदु (सभी काव्यात्मक नाम) — 'चाँद' की ध्वनि पंक्ति में सबसे स्वाभाविक है।

पंक्ति 2 में रिक्त स्थान:

'मेह' — यह पुरानी हिंदी/ब्रजभाषा में वर्षा/मेघ के लिए प्रयुक्त शब्द है; मूल कविता में 'मेह' ही है।

'हवायें' — मूल कविता में 'हवायें' है; 'बयारें' भी काव्यात्मक रूप से उचित है।

सबसे अधिक साथियों को जँचने वाले शब्द: 'रात', 'चाँद', 'मेह', 'हवायें' — क्योंकि ये मूल कविता के शब्द हैं और पंक्ति की लय में सबसे स्वाभाविक लगते हैं।

उत्तर: रिक्त स्थान 1: रात (✓), चाँद (✓)। रिक्त स्थान 2: मेह (✓, मूल कविता का शब्द), हवायें (✓, मूल शब्द)। मूल कविता के शब्द ही पंक्ति की लय और अर्थ में सबसे उपयुक्त हैं।

प्रश्नावली 3.8 — विशेषण और विशेष्य

प्रश्न 1

(क) नीचे दी गई पंक्तियों में विशेषण और विशेष्य शब्दों की पहचान करके लिखिए — पंक्ति | विशेषण | विशेष्य 1. भौंर का है बेध देता श्याम तन | श्याम | तन 2. फाड़ देता है किसी का वर बसन | ? | ? 3. भौंर को अपना अनूठा रस पिला | ? | ? 4. निज सुगंधों औ निराले ढंग से | ? | ?

हल

पंक्ति 1: विशेषण = श्याम (काला), विशेष्य = तन — यह उदाहरण के रूप में दिया गया है।

पंक्ति 2: 'फाड़ देता है किसी का वर बसन' — 'वर' = श्रेष्ठ/उत्तम (विशेषण), 'बसन' = वस्त्र (विशेष्य)। विशेषण = वर, विशेष्य = बसन।

पंक्ति 3: 'भौंर को अपना अनूठा रस पिला' — 'अनूठा' = अनोखा/अद्भुत (विशेषण), 'रस' = पराग/मकरंद (विशेष्य)। विशेषण = अनूठा, विशेष्य = रस।

पंक्ति 4: 'निज सुगंधों औ निराले ढंग से' — 'निराले' = अनोखे/अलग (विशेषण), 'ढंग' = तरीका (विशेष्य)। विशेषण = निराले, विशेष्य = ढंग।

उत्तर: 2. विशेषण = वर, विशेष्य = बसन। 3. विशेषण = अनूठा, विशेष्य = रस। 4. विशेषण = निराले, विशेष्य = ढंग।

प्रश्न 2

(ख) नीचे दिए गए विशेष्यों के लिए अपने मन से विशेषण सोचकर लिखिए — 1. फूल 2. काँटा 3. मेह 4. चाँद 5. रात

हल

विशेष्यों के लिए उपयुक्त विशेषण (कविता के आधार पर और कल्पना से):

1. फूल — सुंदर, सुगंधित, कोमल, खिला हुआ, रंगीन
2. काँटा — नुकीला, तीखा, कठोर, चुभने वाला
3. मेह — झमझम, काला, घना, बरसता हुआ
4. चाँद — चमकता, शीतल, उज्ज्वल, पूर्ण
5. रात — अंधेरी, शीतल, शांत, तारों भरी

उत्तर: 1. फूल → सुंदर/सुगंधित। 2. काँटा → नुकीला/कठोर। 3. मेह → काला/घना। 4. चाँद → चमकता/उज्ज्वल। 5. रात → शांत/अंधेरी।